हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 14 फरवरी 2025

तापमान

अधिकतम 24.2 डिग्री
न्यूनतम 6.8 डिग्री

10 किसान के बेटे विपुल ने जेईई में हासिल किया 99.69 परसेंटाइल

10 डीपीएस की टीम को मिला प्रथम स्थान

मेयर का खाना खाली, पार्षद पद का एक पर्चा

निकाय चुनाव नामांकन का तीसरा दिनः नारनौंद नपा में कोई नामांकन नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

निकाय चुनाव के चलते नामांकन भरने का गुरुवार को तीसरा दिन था। तीसरे दिन मेयर पद के लिए कोई भी नामांकन नहीं आया, जबकि पार्षद पद के लिए एक उम्मीदवार ने पर्चा भरा है। रिटर्निंग अधिकारी कम सीईओ जिला परिषद हरबीर सिंह ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया के तहत वार्ड नंबर 19 से जोगिंद्र सिंह ने सहायक रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन की प्रक्रिया 17 फरवरी तक चलेगी। इसके लिए तय नियमानुसार नामांकन दाखिल किए जा सकते हैं। निकाय चुनाव के रिटर्निंग अधिकारी कम सीईओ जिला परिषद हरबीर सिंह ने कहा कि नामांकन को लेकर अलग-अलग स्थान निर्धारित किए गए हैं। इसके तहत मेयर पद के चुनाव लड़ने के इच्छुक डीआरडीए हिसार के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कार्यालय में नामांकन पत्र दाखिल कर सकते हैं।

नारनौंद नपा के लिए आज भी रहा इंतजार

नारनौंद। नगर पालिका चुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया जारी है। नामांकन करवाने में उम्मीदवारों को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं हो इसके लिए संयुक्त कार्यालय परिसर में हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है। चुनाव लड़ने के इच्छुक व्यक्ति आगामी 17 फरवरी तक नामांकन कर सकते हैं।

रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम मोहित महराणा ने बताया कि नामांकन पत्र जमा करवाने की प्रक्रिया विगत 11 फरवरी से प्रारंभ हुई थी, जो 17फरवरी तक जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि अब तक किसी भी व्यक्ति द्वारा नामांकन नहीं करवाया गया है।

जिला बार एसोसिएशन चुनावः 25 ने भरे पर्चे, अंतिम दिन 6 नामांकन, आज नाम वापसी का दिन

हिसार। जिला बार एसोसिएशन के सालाना चुनाव के लिए नामांकन का गुरुवार को तीसरा व अंतिम दिन था। बार एसोसिएशन के विभिन्न पदों के लिए कुल 25 नामांकन आए है। जांच में सभी नामांकन सही पाए गए हैं। कुल 25 उम्मीदवारों में प्रधान पद के लिए 8, उपप्रधान पद के लिए 4, सचिव पद के लिए 6, सह सचिव पद के लिए 4, कोषाध्यक्ष पद के लिए 3 उम्मीदवारों के नामांकन भरे गए है। शुक्रवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक नामांकन वापिस लेने का समय है। चुनाव अधिकारी सुनील तिवारी व सहायक चुनाव अधिकारियों राजेश वर्मा, राम सिंह सोढ़ी, शीतल कुमार शिल्ला, विकास देहडू, अनुराग भारद्वाज, नवनीत चहल के सम्मुख बार लाइब्रेरी कार्यालय में कुल 6 उम्मीदवारों के नामांकन पत्र आए। इसमें प्रधान पद के लिए 3 उम्मीदवारों ब्रिजेश कुमार सिंधु, सुंदर सिंह बैनीवाल, सुरेंद्र सिंह दुल, उप प्रधान पद के लिए 1 विकास पूनिया, सचिव के पद के लिए 1 प्रसिद्ध सिंह नैन, सहसचिव के पद के लिए 1 प्रवेश कुमार बिरमान के नाम आए। नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनाव अधिकारियों द्वारा सभी नामांकन पत्रों की जांच की गई। जांच में सभी नामांकन पत्रों को सही पाया गया। चुनाव अधिकारी सुनील तिवारी ने बताया कि मतदान 28 फरवरी को सुबह 9 बजे से सायं 5 तक बार रूम में होगा।

नारनौंदः कार्यकर्ताओं को संबोधित करते सीएम साथ हैं कैप्टन अभिमन्यु और मोहन बड़ौली

खबर संक्षेप

प्रथम ओपन शतरंज प्रतियोगिता 16 को

हिसार। टैलेंट सर्च ऑर्गेनाइजेशन व जिला शतरंज एसोसिएशन के तत्वावधान में प्रथम ओपन आयु वर्ग की शतरंज प्रतियोगिता मिल गेट आदर्श नगर के लक्ष्य किड्जी स्पोर्ट्स क्लब में आयोजित की जाएगी। इसमें किसी भी आयु वर्ग के खिलाड़ी भाग ले सकते हैं और विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। आयोजक नीरज वर्मा ने बताया खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए हिसार के सीनियर शतरंज खिलाड़ी पुनीत इंदौरा, डॉ. एसबी लूथरा, पूर्व रणजी क्रिकेट प्लेयर जीआर गोयल, समाजसेवी त्रिलोक शर्मा, सुंदर सोनी, यासीन नियाणा, सीए मोहित गर्ग, अयोजक अध्यक्ष सुशील गर्ग, पूर्व पार्षद जय प्रकाश व मनोहर लाल भी मौजूद रहेंगे।

पुष्प उत्सव 27 को तैयारियां जोरों पर

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का ग्यारहवां पुष्प उत्सव 27 फरवरी को विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार के लॉन में होगा। पुष्प उत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं। इस पुष्प उत्सव में गुजविप्रौवि सहित लगभग 100 संस्थानों या व्यक्तियों से एंट्री आने की संभावना है। निदेशक बागवानी प्रो. नीरज दिलबागी ने गुरुवार को बताया कि पुष्प उत्सव को लेकर गुजविप्रौवि तथा प्रतिभागियों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है।

वापस आते समय लखनऊ- आगरा एक्सप्रेस-वे पर सैफई के पास हादसा

यूपीः कुंभ स्नान करने गए दो दोस्तों की सड़क हादसे में मौत

कार का संतुलन बिगड़ा, सामने से आ रही गाड़ी से टकराई, रमन उमरा व मनजीत बवानीखेड़ा भिवानी का निवासी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

प्रयागराज से कुंभ स्नान कर वापस लौट रहे दो दोस्तों की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। जहां गांव में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। दोनों दोस्तों में से एक युवक रमन हांसी के उमरा गांव का रहने वाला था और दूसरा मनजीत बवानी खेड़ा तहसील के गांव बलियाली का रहने वाला था।

रमन व मनजीत अपने दोस्तों भिवानी के चांग गांव निवासी दीपक व मयंक के साथ 8 फरवरी को कुंभ स्नान के लिए प्रयागराज गए थे और 10 फरवरी को कुंभ स्नान करने के बाद चारों दोस्त अपनी टाटा नेक्शान में सवार होकर वापस आ रहे थे। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर सैफई के पास पहुंचे तो उनकी गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया और उनकी गाड़ी सामने चल रही दूसरी गाड़ी में जा टकराई।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि गाड़ी के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए और गाड़ी की फ्रंट सीट पर बैठे रमन व मनजीत गंभीर रूप से घायल हो गए। रमन गाड़ी चला रहा था। हादसे के बाद दोनों घायलों को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। जहां उपचार के दौरान गुरुवार को दोनों की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों के शवों का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिए हैं। चारों दोस्त भिवानी में फोन-पे में जॉब करते थे।

■ फोन पे में नौकरी करते थे दोनों, टीम लीटर था रमन

मृतक रमन का फाइल फोटो।

रमन टीम लीडर के पद पर तैनात था। रमन इंसा अविवाहित था और सिरसा डेरे से जुड़ा हुआ था और कई बार रक्तदान कर चुका था।

रामायण फाटक पर प्रेमी युगल आत्महत्या मामला

दूसरे दिन, शवों की पहचान नहीं

हांसी। हिसार रेवाड़ी रेलवे लाइन स्थित रामायण रेलवे फाटक के समीप मंगलवार रात दिल्ली से सिरसा जा रही सिरसा एक्सप्रेस ट्रेन के सामने कूदकर अपनी जीवनलीला समाप्त करने एक युवक व युवती की दूसरे दिन भी पहचान नहीं हो सकी। रेल के सामने कूद कर आत्महत्या करने वाले युवक युवती के शवों की पहचान के लिए जीआरपी द्वारा नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया है। जांच अधिकारी के अनुसार यदि युवक युवती की पहचान नहीं हो पाई तो पुलिस अपने स्तर पर दोनों का पोस्टमार्टम करवा कर उनका अंतिम संस्कार करवाएगी।

गौरतलब रहे कि मंगलवार रात को हांसी व हिसार रेलवे स्टेशन के मध्य रामायण रेलवे फाटक के समीप दिल्ली से सिरसा जा रही सिरसा एक्सप्रेस ट्रेन के सामने कूद कर एक युवक व युवती ने आत्महत्या कर ली थी। सूचना के बाद हांसी जीआरपी थाना प्रभारी एसआई कृष्ण कुमार ने मौके पर पहुंच दोनों शवों को कब्जे में लेकर उनकी पहचान के लिए हांसी नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया था। जहां दोनों की खबर लिखे जाने तक पहचान नहीं हो पाई थी। जांच अधिकारी के अनुसार युवती ने अपने एक हाथ में चांदी का कड़ा व कानों में प्लास्टिक की बाली पहनी हुई हैं। दोनों के पास कोई दस्तावेज नहीं मिला। पुलिस के अनुसार युवती की आयु 20-22 व युवक की उम्र करीब 26-27 साल है।

■ हिसार नागरिक अस्पताल में रखे हैं दोनों शव

दर्दनाक हादसे में दिव्यांग बुजुर्ग की मौत

हिसार। अग्रोहा में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में 60 वर्षीय दिव्यांग बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव नंगथला के रहने वाले बलबीर सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि बलबीर सिंह अपने ई-रिक्शा से किरमारा रोड की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनके ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल बलबीर सिंह को राहगीरों की मदद से अग्रोहा मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। दुर्घटना के बाद आरोपी ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया। मृतक के बेटे कृष्ण कुमार ने बताया कि उसके पिता बाएं पैर से दिव्यांग थे और चलने-फिरने में असमर्थ होने के कारण ई-रिक्शा का इस्तेमाल करते थे। कृष्ण कुमार की शिकायत पर अग्रोहा पुलिस ने ट्रक ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बदमाशों ने दुकानदार की गर्दन पर चाकू रखकर 51 हजार लूटे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

■ विजिटिंग कार्ड की डिलिवरी देने जा रहे दुकानदार के साथ हुई वारदात

शहर के सैनियान मोहल्ला में विजिटिंग कार्ड बनाने वाले दुकानदार से अज्ञात युवक गर्दन पर चाकू रखकर 51 हजार रुपये लूट ले गए। दुकानदार दुकान से विजिटिंग कार्ड देने निकला था कि रास्ते में दो युवकों ने एड्रेस पूछने के बहाने उसे रोका और गर्दन पर चाकू लगा कर 52 हजार रुपए लूट लग गए।

बताया जा रहा है कि विजय नगर निवासी दुकानदार जीवन चंद्र सैनियान मोहल्ले में डोनाल्ड प्रिंटर के नाम से दुकान करता है। उसने बताया कि बुधवार रात को 8 बजे के करीब वह विजिटिंग कार्ड की डिलिवरी देने एक्टिवा से डीएन कालेज रोड पर रामचंद्र की ट्रांसपोर्ट पर पर जा रहा था। इसी दौरान दो युवकों ने डीएन कॉलेज से थोड़ा आगे रास्ता पूछने के बहाने एक्टिवा रुकवा दी और गर्दन पर चाकू रखकर लूटपाट की।

दुकानदार जीवन चंद्र ने बताया कि वह दुकान से विजिटिंग कार्ड देने निकला तो दुकान में रखे 52 हजार रुपये पेंट की जेब में रख लिए। यह रुपए सुबह बैंक में जमा करवाने थे। वह अपनी स्कूटी से जा रहा था तो दो लड़के काले रंग की बाइक पर आए और उसको रूकने का इशारा किया। वे बोले कि भाई एक पता बताना कि यह रोड कहां जाएगा। मैंने स्कूटी को रोक लिया। इसी दौरान जो लड़का बाइक चला रहा था उसने मेरी गर्दन और माथे पर चाकू लगा लिया और दूसरा लड़का जो पीछे बैठा था उसने आकर मुझे पीछे से पकड़ लिया और सामने वाले लड़के ने मेरी जेबों की तलाशी लेने शुरू कर दी। दुकानदार ने बताया कि लुटेरों ने जींस में रखे 52 हजार रुपये निकालने का प्रयास किया। लुटेरों ने जेब में रखे उस 52 हजार रुपए में से 51 हजार रुपये निकाल लिए और एक हजार रुपये उनके हाथ लगाने से बच गए। वह दोनों लड़के बाइक पर जिस साइड से सामने से आए थे उसी साइड चले गए। पुलिस ने छानबीन आरंभ कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

मंदिर गई महिला के गले से सोने की चेन चुराई

हिसार। काजला धाम मंदिर में एक महिला के साथ चोरी की वारदात सामने आई है। पीडब्ल्यूडी बीएंडआर विभाग में कार्यरत सुंदर सिंह की पत्नी रेखा सैनी के गले से अज्ञात चोर तीन तोले की सोने की चेन चुरा ली। पीडब्ल्यूडी बीएंडआर विभाग में कार्यरत सुंदर सिंह अपनी पत्नी के साथ मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए गए थे। मंदिर में उस समय काफी भीड़ थी। इसी दौरान किसी अज्ञात महिला ने भीड़ का फायदा उठाते हुए रेखा सैनी के गले से चेन चुरा ली। जब रेखा ने कुछ देर बाद अपनी चेन को छूकर देखा तो वह गायब थी। पीड़ित दंपती ने मंदिर परिसर में काफी खोजबीन की और सीसीटीवी फुटेज भी चेक किए लेकिन चोर का कोई सुराग नहीं मिल पाया। मामले की शिकायत पर अग्रोहा पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ चोरी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में हिसार मंडल प्रथम, सम्मानित

हिसार। एडीजीपी डॉ एम. रवि किरण ने पंचकूला में आयोजित राज्य स्तरीय, सड़क सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली हिसार मंडल की टीमों को गुरुवार को अपने कार्यालय मे सम्मानित किया। हिसार मंडल की तरफ से भेजी गई टीमों में स्कूल स्तर पर मदर प्राइड कान्वेंट स्कूल, आदमपुर की कक्षा 6 से 8 के विद्यार्थी याविका, अक्षरा व यशवी तथा कालेज स्तर की टीम मे पॉलिटेक्निक कॉलेज आदमपुर से विवेक सिंह, अंकुश व कृष्ण ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर प्रो. राकेश शर्मा, निदेशक धर्मवीर जांगड़ा, कोऑर्डिनेटर उप निरीक्षक दीदार सिंह मौजूद रहे।

पेंशन निकलवा कर जा रहे पूर्व पटवारी के 20 हजार व पासबुक चोरी

बरवाला। नजदीकी गांव छान निवासी रिटायर्ड पटवारी के साथ ठगी का मामला सामने आया है। पेंशन निकालने के बाद दो अज्ञात व्यक्तियों ने बुजुर्ग को लिफ्ट देकर उनकी जेब से 20 हजार रुपए और पासबुक चुरा ले गए। छान गांव निवासी भरत सिंह ने पुलिस को बताया कि वह पंजाब नेशनल बैंक की बरवाला शाखा से अपनी पेंशन के 20 हजार रुपए निकालने के बाद सब्जी खरीदने पुराने बस स्टेंड गए थे। जब वह नए बस स्टेंड की तरफ जा रहे थे, तब एक ऑटो रिक्शा ड्राइवर ने उन्हें लिफ्ट की पेशकश की। शुरू में भरत सिंह ने मना कर दिया लेकिन ऑटो ड्राइवर ने उन्हें बुजुर्ग होने का हवाला देकर लिफ्ट लेने के लिए राजी कर लिया। ऑटो में पहले से एक और व्यक्ति बैठा था, जो भरत सिंह के पास आकर बैठ गया। थोड़ी दूर चलने के बाद ऑटो ड्राइवर ने भरत सिंह को उतार दिया।

इलेक्ट्रोनिक्स की दुकान से दिन दिहाड़े चोरी

■ सीसीटीवी में कैद हुई चोरी की पूरी वारदात, पुलिस ने शुरू की जांच

हांसी। भिवानी रोड़ स्थित रामसिंह कॉलोनी में एक इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान से दिन दिहाड़े एक चोर हजारों रुपये का सामान चुराकर ले गया। चोरी की पुरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। दुकान मालिक रामसिंह कालोनी निवासी सुखदेव की शिकायत पर हिसार निवासी मुकुल उर्फ साहिल के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सुखदेव ने बताया कि उसकी रामसिंह कालोनी में चौपड़ा इलेक्ट्रोनिक्स के नाम दुकान है। मेरी दुकान पर सोमवार सुबह 10:40 हिसार निवासी मुकुल उर्फ साहिल मेरी दुकान का कबाड़ का सामान लेने के लिए आया और सामान की चोरी करने के लिए मेरी जानकारी व दुकान की रेकी कर चला गया। बाद वह अपनी दुकान का शट्टर नीचे करके किसी काम के लिये चला गया। मेरे पीछे से 12:20 पर मुकुल उर्फ साहिल दोबारा मेरी दुकान पर आया व दुकान में रखी डबल बैटरी इन्वर्टर के कॉपर के दो नये ट्रांसफार्म जिनकी कीमत करीब 5000 रूपये, करीब 3000 रुपए कीमत की दो खेतों की किसान सपरा टंकी की नई बैटरी, एक कट्टा पुरानी टीवी योग क्वाईल कोपर पुराना जिनकी कीमत 16,500 रूपये, आधा कट्टा पुराने स्क्रेप कोपर मेन ट्रांसफार्मर मिक्स कीमत करीब 6,000 रूपये चोरी करके ले गया। चोरी की पूरी वारदात दुकान में लगी सीसीटीवी कैमरा में कैद है।

चोरी की बाइक के साथ बालक को लिया पुलिस अभिरक्षा में

हांसी। शहर पुलिस द्वारा चोरी की बाइक के साथ एक अपचारी बालक को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। प्रवक्ता के अनुसार अपचारी बालक ने कुछ दिन पहले अनाज मंडी के पास से बाइक चोरी किया था। बाइक को बरामद कर कब्जा पुलिस में लिया गया है।

सीमेंट और बिल्डिंग मटेरियल की दुकान से आठ हजार चुराए

बरवाला। बरवाला में एक सीमेंट और बिल्डिंग मटेरियल की दुकान में चोरों ने सेंधमारी करने का समाचार है। घटना के समय दुकान मालिक सुरेश कुमार दुकान बंद करके घर चले गए थे। दुकान मालिक सुरेश कुमार ने बताया कि वे मेन रोड पर स्थित एके ट्रेडर्स के मालिक हैं। दो दिन पूर्व रात को दुकान बंद करके वे घर चले गए थे। अगली सुबह जब वे दुकान पहुंचे, तो शटर का ताला टूटा हुआ था। जांच करने पर पता चला कि दुकान में रखी बैटरी और गल्ले में रखे करीब आठ हजार रुपए गायब थे। वार्ड 4 के सुरेश कुमार ने आसपास के दुकानदारों से भी चोरों के बारे में पूछताछ की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल पाया।

चोरों ने बैटरी व मोबाइल चुराए

बरवाला। शहर में आईसीआईसीआई बैंक दौलतपुर चौक के सामने एक मोबाइल शॉप से चोरी का मामला सामने आया है। चोरों ने रात के समय यह वारदात की। दुकान मालिक कुलदीप सिंह ने बताया कि दो दिन पूर्व रात करीब 9:15 बजे वह दुकान बंद करके घर चले गए थे। अगली सुबह जब वह करीब 8:10 बजे दुकान पहुंचे, तो शटर का ताला और एल्यूमीनियम का लॉक टूटा हुआ मिला। दुकान के अंदर का सारा सामान बिखरा पड़ा था। जांच में पता चला कि चोर इन्वर्टर की बैटरी के तार काटकर बैटरी और दो मोबाइल गायब मिले।

हिसार। प्राचार्या डॉ. अनीता सहरावत के साथ विजेता टीम।

राज्य स्तरीय कैंप में शोभा को मिला बेस्ट यूथ का पुरस्कार

हिसार। रेडक्रॉस से फतेहचन्द महिला महाविद्यालय की रैड क्रॉस टीम ने श्री नंगली बेला आश्रम भूपतवाला हरिद्वार में भाग लिया। प्राचार्या डॉ. अनीता सहरावत के नेतृत्व में रेडक्रॉस से डॉ. सुनीता रानी, रीतिका, शोभा, प्रीति, मिनाक्षी और निहारिका ने कैंप में भाग लिया। इस दौरान महाविद्यालय की छात्राओं ने प्राथमिक चिकित्सा, आपदा प्रबंध, रक्तदान, महिला सुरक्षा, सड़क सुरक्षा, नशे के दुष्प्रभाव आदि विषयों का प्रशिक्षण प्राप्त किया तथा सोलो डांस, ग्रुप डांस, डिबेट, स्किट, सोलो सोंग आदि गतिविधियों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। स्वयंसेवक शोभा ने बेस्ट यूथ का पुरस्कार जीता और डॉ. सुनीता रानी को लक्की स्टार चैम्पियन में प्रथम स्थान मिला। टीम को सांत्वना पुरस्कार भी मिला।

सरकार की उदासीनता से कर्मचारियों में भारी रोष : फोगाट

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी यूनियन ने की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

सर्व कर्मचारी संघ से संबंधित हरियाणा राज्य चतुर्थ श्रेणी सरकारी कर्मचारी यूनियन ने कर्मचारियों की मांगों व समस्याओं पर सरकार की उदानीसीनता की निंदा की है। इस संबंध में गुरुवार को संगठन की बैठक सर्व कर्मचारी संघ कार्यालय में राज्य वरिष्ठ उप प्रधान शिव कुमार की अध्यक्षता में हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए राज्य महासचिव दलेल राणा ने बताया कि यूनियन की प्रदेश कमेटी का 22 वां राज्य त्रिवार्षिक सम्मेलन कैथल में वाल्मीकि समुदाय केन्द्र भवन खैनोरी रोड में होना तय हुआ है।

बैठक को संबोधित करते हुए सर्व कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष धर्मवीर फोगाट ने कहा कि हरियाणा सरकार चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की मांगों के समाधान को लेकर गंभीर नहीं है। सरकार की इस उदासीनता को लेकर कर्मचारियों में भारी रोष है। उन्होंने कहा कि सर्व कर्मचारी संघ के आह्वान पर 15-16 फरवरी को कुरुक्षेत्र में मुख्यमंत्री के कैम्प कार्यालय दिए जाने वाले धरना में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी बढ़-चढक़र भाग लेंगे।

बैठक में सुमित्रा रेवाड़ी, छजू राम कैथल, रमेश मोड़ी, रामफल शिकारपुर, रमेश रोहतक, सुभाष भट्टी, विजय लोहारु, राजकुमार फतेहबाद, दीपक करनाल, रितु नहला, सुमित्रा, कृष्णा, बाला व भतेरी आदि भी मौजूद रहे।

नई शर्तों से भवन निर्माण कामगार यूनियन में आक्रोश

हिसार। भवन निर्माण कामगार यूनियन ने सरकार द्वारा निर्माण मजदूरों पर नई-नई शर्तों को लगाने का विरोध जताया है। यूनियन ने इस तरह की शर्तों पर आक्रोश प्रकट किया। यूनियन संगठन ने बैठक करके आलोचना की। संगठन के प्रधान लीलूराम जांगड़ा ने गुरुवार को कहा कि सरकार द्वारा निर्माण मजदूरों के ऑनलाइन काम के लिए पोर्टल पर सोमवार से शुक्रवार तक सुबह 8 से शाम 8 बजे तक समय निर्धारण किया है।

शनिवार, रविवार या अन्य सरकारी अवकाश पर यह पोर्टल कार्य नहीं करेगा। निर्माण मजदूर अपना कार्य सोमवार से शुक्रवार तक सुबह 8 से शाम 8 बजे तक समयावधि में ही करवा पाएगा। निर्माण मजदूरों के ऑनलाइन कार्य पर इस तरह की रोक लगाना औचित्यहीन है क्योंकि निर्माण मजदूरों का कोई समय नहीं होता। इस तरह की नीति का विरोध किया जाता है। सरकार से मांग की जाती है कि अपने तुर्की फरमान को तुरंत प्रभाव से वापस लिया जाए। अगर सरकार ऐसा नहीं करती है तो 25 फरवरी को हिसार के डीसी कार्यालय पर निर्माण मजदूर डेरा डालेंगे। बैठक में संगठन के हिसार तहसील के सचिव राकेश गगंवा ने कहा कि भवन निर्माण कामगार यूनियन सरकार के इस रवैये पर रोष प्रकट किया। 25 फरवरी को हिसार के डीसी कार्यालय पर डेरा डालेंगे।

हिसार। प्राचार्य डॉ. विवेक सैनी के साथ कैडेट विभा।

राजकीय महाविद्यालय की विभा ने लिया कर्तव्य पथ परेड में हिस्सा

हिसार। राजगढ़ रोड पर स्थित राजकीय महाविद्यालय की कैडेट सीनियर अंडर ऑफिसर विभा ने 26 जनवरी को आयोजित कर्तव्य पथ परेड में भाग लेकर न केवल महाविद्यालय का बल्कि हरियाणा का नाम रोशन किया है। इस दौरान विभा ने पीएम रैली व क्लचरल गतिविधियों में भी भाग लिया। विभा के कॉलेज पहुंचने पर प्रिंसिपल डॉ. विवेक सैनी ने कहा कि यह न केवल कैडेट विभा के लिए बल्कि महाविद्यालय के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। इस अवसर पर महाविद्यालय के कैप्टन स्नेहलता, लेफ्टिनेंट एनएस तोमर फ्लाइंग ऑफिसर गोविल जिंदल, प्रो.मनोज कुमार तथा अन्य स्टाफ सदस्यों ने विभा को बधाई दी।

टेक्नो-नॉलेज / शिखर चंद जैन

हर बच्चे को गेम्स खेलने में मजा आता है। कितना अच्छा हो, अगर स्कूल के क्लासरूम में भी पढ़ाई के बजाय कोई गेम खेलने को कहा जाए और इसी के साथ-साथ खेल में स्टडी-लर्निंग भी हो जाए। सोचकर देखो, कितना मजा आएगा! ऐसा हो सकता है, 'गेमिफिकेशन' के जरिए। जानो, गेमिफिकेशन के बारे में।

गेमिफिकेशन खेल-खेल में स्टडी

बच्चों, कितना मजा आए, अगर तुम्हें क्लास में किताबें खोलकर लेसन पढ़ने या टीचर का लेक्चर सुनने की बजाय पजल सॉल्व करने, कोड, डिकोड करने और गेम खेलकर कोई टारगेट अचीव करने का टास्क दिया जाए। तुम सोच रहे होगे, यह कैसे संभव है, यह तो कोरी कल्पना है। भला स्कूल में गेम कैसे खेल सकते हैं? ऐसा हुआ तो सिलेबस कैसे कंप्लीट होगा? डोंट वरी बच्चों, अब लर्निंग और टीचिंग का नया कॉन्सेप्ट आ चुका है- गेमिफिकेशन। इससे करिकुलम में गेम एलिमेंट डालकर क्लासरूम को इंटरेस्टिंग और एक्साइटिंग बनाया जा रहा है। बच्चों, जानो इस बारे में।

क्या है गेमिफिकेशन

एजुकेशन फील्ड में गेमिफिकेशन एक बहुत बड़ा कदम है। शिक्षाविदों और वैज्ञानिकों ने मिलकर इसके माध्यम से बच्चों में क्रिएटिविटी बूस्ट करने, उन्हें मोटिवेट करने और सीखने के लिए प्रेरित करने वाला काम किया है। बच्चों, गेमिफिकेशन को किसी वीडियो गेम की तरह डिजाइन किया गया है। इसमें तुम बड़े ही मजेदार ढंग से खेल-खेल में नई और ज्ञानवर्धक बातें सीख सकते हो।

कैसे प्रचलन में आया गेमिफिकेशन टर्म

ब्रिटिश कंप्यूटर प्रोग्रामर और आविष्कारक निक पेलिंग ने 2002 में 'गेमिफिकेशन' शब्द गढ़ा था। उस समय वे कमर्शियल इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के लिए गेम जैसे इंटरफेस तैयार कर रहे थे। साल 2010 में इस शब्द को व्यापक रूप से अपनाया गया। पेलिंग ने उद्योग, व्यापार और शिक्षा के लिए उपकरण के रूप में इन-गेम मैकेनिक्स की क्षमता और व्यावहारिकता को देखा। जैसे-जैसे 'गेमिफिकेशन' लोकप्रिय होता गया, इसके अनेक उपयोगों को रेखांकित करने वाले आर्टिकल्स पब्लिश होने लगे। इसके बाद इसे अलग-अलग क्षेत्रों में अपनाया जाने लगा।

इंटरेस्टिंग लर्निंग प्रोसेस

गेमिफिकेशन के माध्यम से लर्निंग का प्रोसेस इतना इंटरेस्टिंग होता है कि तुम इसमें पूरी तरह इन्वॉल्व हो जाओगे। हर स्टेप को कंप्लीट करने के बाद जब तुम्हें रिवॉर्ड्स और प्वॉइंट्स मिलेंगे, तो तुममें सीखने का नया जोश आएगा। गेमिफिकेशन के माध्यम से साइंस, मैथ्स जैसे कठिन विषयों को तुम आसानी से समझ सकोगे।

आएगा होमवर्क करने में भी मजा

अकसर बच्चों को होमवर्क करना बोरिंग लगता है। लेकिन गेमिफिकेशन के माध्यम से होमवर्क भी इंटरेस्टिंग लगने लगता है। स्कूल से मिला हुआ टास्क तुम्हारे लिए एडवेंचरस गेम बन जाता है। गेमिफिकेशन के दौरान अगर तुम कोई स्टेज चूक जाते हो या किसी प्रॉब्लम को सॉल्व नहीं कर पाते, तो तुम्हें अपनी गलती के बारे में बताया जाता है। आगे अपना टास्क कंप्लीट करने के लिए गाइड भी किया जाता है। यह कंप्लीट प्रोसेस बहुत ही रोचक और ज्ञानवर्धक होता है।

डेवलप होते हैं ये स्किल्स

गेमिफिकेशन के अंतर्गत क्लासरूम या घर में टास्क या पजल्स सॉल्व करते समय या फिर कोड को डिकोड करते समय तुम्हें दिमाग पर जोर डालना पड़ता है। इससे तुम्हें क्रिटिकल और शार्प थिंकिंग की ट्रेनिंग मिलती है। दोस्तों के साथ गेम खेलते हुए सीखना तुम्हारे मन में कॉम्पिटिशन का भाव जगाता है। इससे तुम्हें जीतने की प्रेरणा मिलती है। गेमिफिकेशन के अंतर्गत कुछ गेम्स, तुम्हें खेलने का तरीका चुनने की आजादी देते हैं। इससे तुम अपने तरीके से गेम खेल सकते हो और सीख सकते हो। गेमिफिकेशन में तुम्हें जीतने के कई प्रयास करने की छूट मिलती है, इसे तुम तब तक खेल सकते हो, जब तक कि जीत न जाओ। इसमें जीतने के बाद तुम्हारा कॉन्फिडेंस बूस्ट होता है। *

गेमिफिकेशन के पांच फायदे

बच्चों, गेमिफिकेशन के मुख्य रूप से पांच फायदे हैं। इनके बारे में भी तुम्हें जानना चाहिए-

सेल्फ असेसमेंट: गेमिफिकेशन के जरिए तुम्हें अपनी प्रोग्रेस पर नजर रखने में मदद मिलती है। किसी कारणवश अगर तुम इसे बीच में डिस्कंटीन्यू भी कर देते हो, तो दोबारा लॉग इन करते ही तुम्हारा टास्क या गेम वहीं से शुरू हो जाता है, जहां तुमने इसे छोड़ा था।

इमर्शन: आजकल 3 डी गेमिंग काफी पॉपुलर है। इस गेम को खेलते वाला कंटेस्टेंट या स्टूडेंट पूरी तरह से गेम में डूब जाता है, और खुद को एक अलग ही दुनिया में पाता है, जहां सिर्फ एंटरटेनमेंट और लर्निंग का ही माहौल होता है।

कॉम्पिटिशन: गेमिफिकेशन से परस्पर कॉम्पिटिशन की भावना जागृत होती है। जब कोई कंटेस्टेंट ज्यादा रिवॉर्ड और बैज हासिल करता है, तो अन्य कंटेस्टेंट्स के मन में भी कड़ी मेहनत करने की इच्छा होती है।

इंटर एक्टिविटी: गेमिफिकेशन के दौरान स्टूडेंट्स आपस में डिस्कशन करते हैं। साथ ही पार्टिसिपेंट्स सिस्टम के साथ भी संवाद कर सकते हैं और दी गई जानकारी का उपयोग टारगेट अचीव करने में कर सकते हैं।

फोकस: गेमिफिकेशन एक इंटरेस्टिंग एक्टिविटी है। इसमें तुम बोर नहीं होते और न ही तुम्हारा ध्यान इधर-उधर भटकता है। इससे तुम्हारा कंसंट्रेशन लेवल बढ़ता है।

इंटरेस्टिंग इंफॉर्मेशन / नयनतारा

बच्चों, एक समय तक समुद्र या नदी की गहराइयों में इंसान का जाना आसान नहीं होता था। लेकिन एक्वालंग के आविष्कार के बाद पानी की गहराई में जाना आसान हो गया। जानो, क्या होता है एक्वालंग? इसका आविष्कार कब, किसने किया और यह कैसे काम करता है?

एक्वालंग से आसान हुई अंडर वाटर एक्टिविटी

बच्चों, इंसान हमेशा से ही पानी के भीतर की दुनिया के बारे में जानने को जिज्ञासु रहा है। लेकिन कुछ दशक पहले तक पानी के भीतर जाना आसान नहीं होता था। पानी के भीतर घटता-बढ़ता दबाव एक बड़ी समस्या थी। पानी के अंदर मूवमेंट करना भी बहुत मुश्किल था। इन सबसे भी बड़ी समस्या यह थी कि पानी के अंदर सांस लेने के लिए हवा कैसे मिले? इस समस्या से निपटने के लिए एक्वालंग का आविष्कार किया गया। इस आविष्कार के बाद पानी के भीतर जाना काफी आसान हो गया। एक्वालंग का आविष्कार कैप्टन जैक-य्वेस कौस्तेयू और एमिले गैगनन ने 1943 में किया था। एक्वालंग की वजह से अंडरवाटर वर्ल्ड के सारे रहस्य खुल गए।

पहले ऐसे होती थी अंडर-वाटर एक्टिविटी: बच्चों, एक्वालंग के आविष्कार से पहले भी लोग अंडर वाटर एक्टिविटीज करते थे। लेकिन ऐसा करना बहुत ही मुश्किल होता था। तब एयर सप्लाई के साथ कुछ प्रशिक्षित व्यक्ति ही डाइव करते थे, वह भी जटिल, वजनी डीप-सी सुइट्स और हेल्मेट्स के साथ। इनमें हाई-प्रेशर एयर लाइंस होती थीं, जो सतह से जुड़ी होती थीं। इतने सारे जटिल इक्विपमेंट्स के साथ डाइविंग बहुत मुश्किल होता था।

क्या होता है एक्वालंग: एक्वालंग एक ऐसा इक्विपमेंट है, जो पानी के अंदर की गतिविधियों को आसान बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह पहले इस्तेमाल किए जा रहे भारी-भरकम इक्विपमेंट की तुलना में कॉम्पैक्ट और पोर्टेबल होता है। जिससे अंडर वाटर एक्टिविटीज में इसका इस्तेमाल करना काफी आसान है।

कैसे काम करता है एक्वालंग: डाइविंग से पहले, डाइवर्स की कमर पर एक हाई-प्रेशर सिलिंडर स्ट्रैप कर दिया जाता है, जिससे उन्हें नियमित एयर सप्लाई मिलती रहती है। एयर सिलिंडर से डिमांड रेग्युलेटर जुड़ा होता है, जो सांस लेने वाली हवा को उसी प्रेशर का कर देता है, जो आस-पास के पानी का प्रेशर होता है। इसे एडजस्ट करने के लिए वॉल्व नहीं होते हैं। डाइवर को सिर्फ सांस लेनी होती है। गहराई चाहे जितनी हो एक्वालंग से एकदम सही प्रेशर मिलता है। इससे सांस लेना उतना ही ऑटोमेटिक और नेचुरल हो जाता है, जितना कि जमीन पर होता है।

एक्वालंग के आविष्कार के बाद स्कूबा डाइविंग तेजी से पूरी दुनिया में पॉपुलर हो गई और डाइविंग को आसान बनाने के लिए एक्वालंग के अलावा कई अन्य उपकरण भी बनाए जाने लगे। *

तुम्हारे लिए नई किताब

सबक सिखाती ईरानी कहानियां

बच्चों, जैसे तुमको अपने दादा-दादी, नाना-नानी से प्यारी-प्यारी कहानियां सुनना या स्टोरी बुक्स से कहानियां पढ़ना अच्छा लगता है, वैसे ही दुनिया भर के अन्य देशों के बच्चे भी बड़े चाव से कहानियां पढ़ते-सुनते हैं। कुछ समय पहले ही एक नई किताब 'ईरानी बच्चों की कहानियां' छपकर आई है। इसमें तुम ईरान देश में रहने वाले बच्चों के बीच लोकप्रिय चौदह कहानियों का हिंदी अनुवाद पढ़ सकते हो। इन कहानियों में तुमको अपने जैसे नटखट, समझदार बच्चों समेत बकरी, डॉगी, डंकी, हाथी, भेड़िए आदि की कहानियां भी पढ़ने को मिलेंगी। 'बकरी का बच्चा' एक बहादुर लेकिन नासमझ बकरी के बच्चे की कहानी है, जिसे मुसीबत में फंसने पर अपनी गलती का अहसास होता है। 'आजादी' कहानी में गुलाम रहने की तकलीफ और आजादी से अपना जीवन जीने की महत्ता को एक जंगली डॉगी की कहानी के जरिए बताया गया है। इसी तरह 'चोर और संत' कहानी बताती है कि जो लोग सज्जन होते हैं, मुसीबत में उनकी मदद को सभी तैयार रहते हैं। 'किस्सा घड़ी की सुई का', 'हवा और पतंग', 'सींग की तलाश' कहानियां भी तुम्हें अच्छी लगेंगी। इस किताब की सभी कहानियां तुम्हारा मनोरंजन तो करेंगी ही, तुम्हें जरूरी सबक भी सिखाएंगी। इनको पढ़ते हुए तुम्हें लगेगा जैसे तुम अपने देश में प्रचलित 'पंचतंत्र' या 'हितोपदेश' की कहानियां पढ़ रहे हो। ऐसा इसलिए क्योंकि बच्चे किसी भी देश के क्यों न हों, सब एक जैसे ही होते हैं। सब बच्चों को पढ़ाई करना, खेलना, हंसना और कहानियां पढ़ना पसंद होता है। *

-विज्ञान भूषण

किताब: ईरानी बच्चों की कहानियां, **अनुवादक:** राजेश सरकार, **मूल्य:** 250 रुपए, **प्रकाशक:** किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

जीके क्विज-141

1. अभी हाल ही में घोषित दिल्ली विधान सभा चुनाव परिणामों में किस राजनीतिक दल को बहुमत प्राप्त हुआ है?
2. किस क्रिकेट खिलाड़ी ने पिछले दिनों अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 600 विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया?
3. अमेरिका के बाद किस देश ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से अलग होने की घोषणा की है?
4. सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह कौन-सा है?
5. महावीर स्वामी का मूल नाम क्या था?
6. स्वतंत्र भारत के प्रथम कृषि मंत्री कौन थे?
7. कौन-सा रंग रेनबो के बीच में दिखाई देता है?
8. जीवाणु (बैक्टीरिया) की खोज किसने की थी?
9. कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
10. 'लोकनायक' के नाम से किसे जाना जाता है?

बच्चों, जीके क्विज-140 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-140 का उत्तर : 1.उत्तर प्रदेश, 2.डिब्रूगढ़, 3.लद्दाख और जम्मू कश्मीर, 4.निर्मला सीतारमण, 5.ऑस्मियम, 6.वुलर झील, 7.किडनी, 8.स्कॉटलैंड, 9.मैलिक एसिड, 10.ग्रीनलैंड

जीके क्विज-140 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, श्वेता-बिलासपुर, रमेश-कोरबा, ज्योति-रायगढ़, गुंजा-रायपुर, शुभम-बलौदा बाजार, खुशबू-दुर्ग, बी. आकांक्षा-अहमदाबाद, बी. ईशान-अहमदाबाद, काम्या-महासमुंद

सबको बांटो प्यार

बच्चों ने वैलेंटाइन-डे के मौके पर जब बाजार में एक अलग ही रौनक का माहौल देखा तो उन्होंने भी तय किया कि वे भी कुछ अलग ढंग से वैलेंटाइन-डे सेलिब्रेट करेंगे। इस मौके पर बच्चों ने जिस तरह, जिन लोगों के बीच जाकर प्यार बांटा, वह सचमुच बहुत अनोखा था।

कहानी
अलका जैन 'आराधना'

इधर कई दिनों से रोहन, सान्वी, आयुष और मिष्टी स्कूल से लौटते समय बाजार में जगह-जगह दुकानों पर दिल के आकार के गुब्बारे और रेड पैक में गिफ्ट आइटम्स सजे देख रहे थे। सान्वी उत्सुकता से बोली, 'हर जगह इस तरह दिल-दिल के आकार में रेड आइटम्स दुकानों में क्यों सजे हैं? क्या कोई फेस्टिवल आने वाला है?'

आयुष हंसते हुए बोला, 'हां, बड़ा फेस्टिवल आ रहा है- वैलेंटाइन-डे।'

रोहन कुछ गंभीर स्वर में बोला, 'फेस्टिवल तो सब अच्छे होते हैं। दिवाली पर दिये जलाते हैं, होली पर रंग खेलते हैं। लेकिन वैलेंटाइन-डे तो बच्चे नहीं मनाते हैं। यह तो बड़े मनाते हैं। हमारा वैलेंटाइन-डे से कोई लेना-देना नहीं है।'

मिष्टी गोल-गोल आंखें घुमाती हुई बोली, 'क्यों नहीं लेना-देना है? हम बच्चे भी अपने ढंग से वैलेंटाइन-डे मना सकते हैं। हमारे आस-पास बहुत से ऐसे लोग हैं, जिनसे हम प्यार पाते हैं या हम उन्हें प्यार देते हैं। हम इनके साथ वैलेंटाइन-डे मना सकते हैं। इन्हें गुलाब का फूल और कोई गिफ्ट दे सकते हैं।' चारों बच्चों ने एक-दूसरे की तरफ देखा और उत्साह से भर उठे। सान्वी खुश होकर बोली, '...तो इस बार हम भी वैलेंटाइन-डे अपने तरीके से मनाएंगे!'

आयुष हां में हां मिलाते हुए बोला, 'हां, हम ऐसे ही एक यादगार वैलेंटाइन-डे मनाएंगे, जो सबको पसंद आए।'

रोहन ने पूछा, 'लेकिन हम करेंगे क्या...'

मिष्टी ने कुछ सोचा और उछल कर बोली, 'सुनो! हम उन लोगों के लिए कुछ करेंगे, जो हर दिन हमारे लिए मेहनत करते हैं, जैसे- दूध और अखबार वाले अंकल, कॉलोनी के गार्ड अंकल और हमारे घर में काम करने वाली मेड।' सान्वी झट से बोली, 'हम अपने दादा-दादी, नाना-नानी को भी इस अवसर पर न भूलें, वे हमें कितना प्यार करते हैं, हमारा ख्याल रखते हैं। इनको भी गुलाब का फूल देकर थैंक्स बोलेंगे। साथ ही हम पास के ओल्ड एज होम के दादाजी-दादीजी के पास भी जाएंगे, ये लोग हमेशा हमें हंसाते हैं।' आयुष चहक कर बोला, 'तो तय रहा! हम वैलेंटाइन-डे पर इनके पास जाएंगे, इन्हें गुलाब का फूल देंगे, इनके लिए कुछ और भी खास करेंगे।'

अगले दिन चारों अपने-अपने गुल्लक लेकर मिष्टी के घर पहुंचे। सभी बहुत उत्साहित थे। रोहन गुल्लक रखते हुए बोला, 'यह रहा मेरा खजाना। पिछले साल से जमा कर रहा हूं।'

सान्वी बोली, 'मेरा गुल्लक चॉकलेट के पैसों का है।' आयुष ने खिलखिला कर हंसते हुए कहा, '...और ये मेरा आइसक्रीम फंड है।' मिष्टी बोली, '...और मेरी गुल्लक में दिवाली-होली के ईनाम के पैसे हैं। चलो, गिनती शुरू करें।'

सभी ने गुल्लक में जमा किए सिक्के और नोट गिनने शुरू किए। इन्हें गिनने के बाद सब एक साथ बोले, 'अरे वाह...! इतने में तो हम बहुत अच्छे से अपना काम कर सकते हैं। वैसे भी हम यह काम अपने मम्मी-पापा की परमिशन से ही कर रहे हैं। वे भी बहुत खुश हैं, हमारे इस शानदार आइडिया के बारे में जानकर। उन्होंने भी अपनी तरफ से कंट्रीब्यूट करने का वादा किया है।'

अगले दिन सभी बच्चे बाजार गए। बाजार सजावट और रौनक से भरा हुआ था। रोहन एक मग उठाते हुए बोला, 'यह दूध वाले अंकल के लिए। इस पर लिखा है, 'बेस्ट मॉर्निंग फ्रेंड।' आयुष पेन सेट दिखाते हुए बोला, 'अखबार वाले अंकल के लिए।'

सान्वी एक सुंदर स्टोल उठाते हुए बोली, 'यह कामवाली बाई के लिए। वह हमेशा कहती हैं, सादगी में ही खूबसूरती है।'

मिष्टी एक टॉर्च उठाते हुए बोली, 'गार्ड अंकल के लिए... वह रातभर ड्यूटी करते हैं, ताकि हमारे घर सेफ रहें।'

इसके अलावा बच्चों ने ओल्ड एज होम के दादाजी-दादीजी के लिए गर्म शॉल खरीदा। सबसे बाद में बच्चों ने ढेर सारे गुलाब के फूल भी खरीदे।

वैलेंटाइन-डे की सुबह बच्चे गिफ्ट और गुलाब के फूल लेकर सबके घर गए। सबने उन्हें धन्यवाद दिया और बहुत खुश हुए, क्योंकि उनके बारे में लोग ज्यादा कुछ सोचते नहीं हैं।

शाम को बच्चे ओल्ड एज होम के दादाजी-दादीजी को गिफ्ट देने पहुंचे। मिष्टी और दूसरे बच्चों ने दादाजी-दादीजी के पांव छूकर कहा, 'दादाजी, दादीजी, यह आपके लिए और साथ में हमारे हाथ से बना यह कार्ड। बच्चों ने दादाजी-दादीजी के साथ केक काटा और सबने मिलकर खूब मस्ती की।'

घर लौटते हुए चारों बच्चे बहुत खुश थे। उन्होंने सबके साथ प्यार बांटकर वैलेंटाइन-डे जो अनोखे तरीके से मनाया था। *

कविता
फहीम अहमद

डाकिया अंकल

अहा, डाकिया अंकल आए
लेकर चिट्ठी और किताब।।
घर-घर में चिट्ठी पहुंचाना
है अंकल का प्यारा पेशा।
ले आते पापा की खातिर,
जब-तब खुशी भरा संदेशा।
पढ़ते ही पापा का मुखड़ा
लगता जैसे खिला गुलाब।।
कंधे पर लटकाए थैला,
चेहरे पर मुस्कान अनूठी।
सर्दी, गर्मी हो या बारिश
नहीं भूलते अपनी ड्यूटी।
दरवाजे पर दस्तक देकर,
करते राम-राम, आदाब।।
गली, मुहल्ले के हर घर से,
उनकी है पहचान पुरानी।
थैले में भर ले आते हैं,
हर दिन कोई नई कहानी।
खूब दुआएं पाते हैं वे,
जिसका कोई नहीं हिसाब।।

अंतर बताओ

बच्चों, यहां एक समान दिखने वाले दो चित्र दिए गए हैं। लेकिन इनमें सात अंतर हैं। तुम्हें पांच मिनट में ये सभी अंतर खोजकर बताने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट सारे अंतर बताओ।

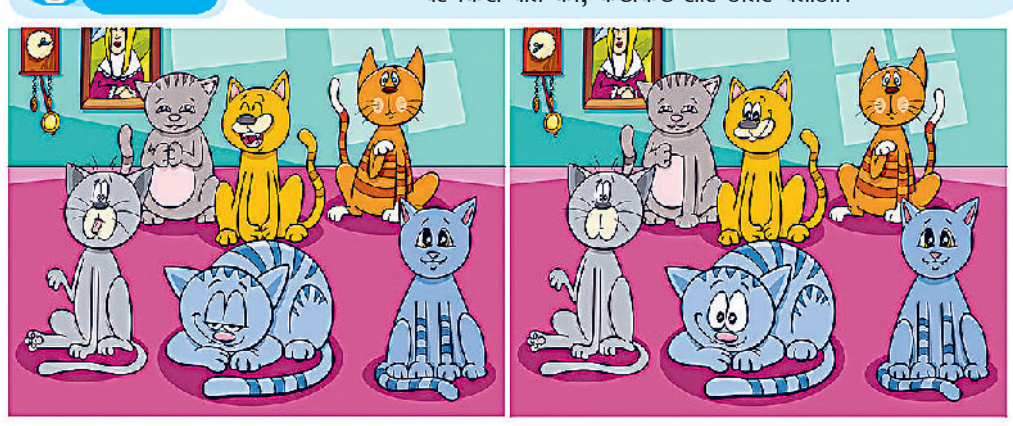

उत्तर: 1.दीवार पर लगी क्लॉक में अलग टाइम हो रहा है। 2.पीछे बाईं तरफ बैठी बिल्ली के दोनों अगले पंजे आपस में जुड़े हुए नहीं हैं। 3.पीछे बीच में बैठी बिल्ली हंस नहीं रही है। 4.पीछे दाईं तरफ बैठी बिल्ली की पूंछ दूसरी तरफ दिख रही है। 5.आगे बाईं तरफ बैठी बिल्ली की जीभ अंदर है। 6.बीच में लेटी हुई बिल्ली की दोनों आंखें खुली हुई हैं। 7.आगे दाईं तरफ बैठी बिल्ली के बाएं पैर में कम धारियां हैं।

एक जैसे दो चित्र ढूंढ़ो

बच्चों, यहां कई बच्चों के चित्र दिए गए हैं। इनमें से दो चित्र बिल्कुल एक जैसे हैं। बाकी चित्रों में कोई-न-कोई अंतर जरूर है। तुम एक जैसे दिखने वाले दो चित्रों को पहचान कर, उसको पेंसिल से गोलाकार घेर दो।

खबर संक्षेप

8 मार्च को होंगे आढ़ती एसोसिएशन के चुनाव

सिरसा। आढ़ती एसोसिएशन सिरसा के चुनाव की प्रक्रिया अब तेज हो गई है। एसोसिएशन के प्रधान मनोहर मेहता ने नई कार्यकारिणी के चुनाव की तिथि घोषित कर दी है। उन्होंने बताया कि 8 मार्च को एसोसिएशन के चुनाव होंगे। नई कार्यकारिणी के लिए प्रधान, उपप्रधान, सचिव व कोषाध्यक्ष पद के लिए चुनाव होगा। प्रधान पद के लिए 41 हजार रुपए जबकि उपप्रधान, सचिव व कोषाध्यक्ष पद के लिए 31 हजार रुपए नामांकन राशि फीस के रूप में जमा करवाने होंगे।

अस्पताल के बाहर से मोटरसाइकिल चोरी

सिरसा। गुरुद्वारा दसवीं पातशाही वाली गली में अस्पताल के बाहर से व्यक्ति का मोटरसाइकिल चोरी हो गया। पुलिस को दी शिकायत में वार्ड नंबर 19 निवासी आसिफ मलिक ने बताया कि बीती10 फरवरी की रात्रि को उसने अपना मोटरसाइकिल अस्पताल के बाहर खड़ी की थी। कुछ देर बाद संभाला तो मोटरसाइकिल गायब मिली। उसने अपने स्तर पर बाइक की काफी तलाश की, लेकिन बाइक का कोई सुराग नहीं लगा।

दो युवक 20.24 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार

कालांवाली। सीआईए कालांवाली पुलिस ने गश्त के दौरान कालांवाली में ओढां टी-प्वाइंट क्षेत्र से दो युवकों को 20.24 ग्राम हेरोइन सहित काबू किया है। सीआईए कालांवाली प्रभारी इंस्पेक्टर वीरेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस टीम ओढां टी-प्वाइंट से बस अड्डा कालांवाली की ओर जा रही थी। इस दौरान पेट्रोल पंप के सामने सडक़ पर दो युवक खड़े दिखाई दिए। उक्त युवक सामने पुलिस की गाड़ी को देखकर एकदम मुंह फेर कर खड़े हो गए।

युवक हेरोइन व 3600 रुपये की ड्रग मनी सहित काबू

डबवाली। सीआईए डबवाली पुलिस ने वाल्मीकि मोहल्ला क्षेत्र से एक युवक को 5.56 ग्राम हेरोइन व 3600 रुपये की ड्रग मनी सहित काबू किया है। सीआईए डबवाली प्रभारी सब इंस्पेक्टर राजपाल ने बताया कि एएसआई पाला राम के नेतृत्व में पुलिस पार्टी वाल्मीकि मोहल्ला क्षेत्र में गली नंबर दो से जा रहे थे। इस दौरान एक युवक गली में खड़ा दिखाई दिया। उक्त युवक ने पुलिस की गाड़ी को देखकर तेज कदमों से चलते हुए मौके से खिसकने का प्रयास किया।

कार की टक्कर से बाइक सवार दुकानदार घायल

फतेहाबाद। गांव बरसीन के पास एक कार की टक्कर से बाईक सवार दुकानदार घायल हो गया। उसे उपचार के लिए अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया है। इस मामले में पुलिस ने कार चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में वार्ड नं. 9 भूना निवासी राजकुमार ने कहा है कि वह दुकानदारी का काम करता है। गत दिवस वह अपने मोटरसाइकिल पर सवार होकर किसी काम से फतेहाबाद आ रहा था।

जेसीडी कॉलेज के आठ छात्रों की हुई प्लेसमेंट

सिरसा। जेसीडी मेमोरियल इंजीनियरिंग कॉलेज के सिविल विभाग के आठ छात्रों को विभिन्न कंपनियों में इंजीनियर के पद पर चयन हुआ है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. वरिंद्र सिंह ने बताया कि सिविल विभाग के बीटेक अंतिम वर्ष के पांच छात्रों और एमटेक के दो छात्रों का विभिन्न कंस्ट्रक्शन कंपनियों में इंजीनियर के पद पर चयन किया गया है इसके अतिरिक्त तृतीय वर्ष के छात्र को भी ट्रेनिंग के लिए कंपनी द्वारा चयनित किया गया है।

श्री बाला जी मित्र मंडल द्वारा संकीर्तन 22 को

फतेहाबाद। श्री बाला जी मित्र मंडल की ओर से संकीर्तन 22 फरवरी दिन शनिवार को श्रीराम सेवा समिति धर्मशाला अनाजमंडी में सांय 6 बजे से रात्रि 12 बजे तक आयोजित किया जाएगा। संकीर्तन में सालासर धाम से जय पुजारी पहुंच रहे हैं। कार्यक्रम में जयपुर से निशा-गोबिन्द शर्मा, दिल्ली से पुष्कर अग्रवाल बाबा की महिमा का गुणगान करेंगे। फूलों की होली खेली जाएगी वहीं कार्यक्रम में बाबा दरबार देखने योग्य होगा।

विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ अपनी संस्कृति एवं गौरव का भी ज्ञान करवाया जाएगा

प्राइमरी स्कूलों में नियुक्त होंगे संस्कार टीचर, नए सत्र से होंगी नियुक्तियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। निदेशक नरेश सेलपाड़ का स्वागत करती रेखा शाक्य। फोटो :हरिभूमि

केश कला एवं कौशल विकास बोर्ड के निदेशक नरेश सेलपाड़ ने कहा है कि देश में नई शिक्षा निति के तहत विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ अपनी संस्कृति एवं गौरव का भी ज्ञान करवाया जाएगा। साथ ही उसे नैतिक संस्कारों के शिक्षा भी प्रदान की जाएगी। इसके लिए बकायदा प्रदेश के प्राइमरी स्कूलों में संस्कार अध्यापक भी नियुक्त होंगे। वो फतेहाबाद में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग ले रहे थे। इससे पहले समाजसेविका रेखा शाक्य ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने नई शिक्षा नीति में सामाजिक संस्थाओं एवं आमजन के योगदान पर भी उनसे चर्चा की। नई शिक्षा नीति के कार्यक्रम में बोलते हुए निदेशक नरेश सेलपाड़ ने कहा कि इस प्रकार की परियोजनाओं के तहत चयनित अध्यापक का कार्य विद्यार्थियों में जहां संस्कार विकसित करना होगा, वहीं वो नैतिक शिक्षा के भी ध्वजवाहक का भी कार्य करेंगे। ये अध्यापक स्कूल एजुकेशन और साक्षरता मिशन भारत सरकार के विशेष प्रोजेक्ट के तहत मिनिस्ट्री आफ कल्चर अफेयर भारत सरकार व देश की एक नामी संस्थान के तत्वावधान में सभी प्राइमरी स्कूलों में नियुक्त किए जाएंगे। इसके लिए बकायदा सिलेबस भी तैयार किया जा रहा है। ये अध्यापक अंशकालिक होंगेए और ये हर रोज दो घंटे ही विद्यार्थियों को पढ़ाएंगे। यदि सब कुछ आशानुरुप रहा तो इसके लिए आवेदन प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी। ये अध्यापक नए सत्र से स्कूलों में शिक्षा देते हुए नजर आएंगे।

ये रहेगी शैक्षणिक योग्यता

केश कला एवं कौशल विकास बोर्ड के निदेशक नरेश सेलपाड़ के अनुसार इन पदों के लिए न्यूनतम योग्यता 12वीं कक्षा पास गई है। साथ ही आवेदक की आयु प्रदेश में नियुक्ति नियमों के अनुरुप 18 से 42 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। हालांकि एससीए एसटी या भूतपूर्व सैनिकों या उनके आश्रितों, स्वतंत्रता सैनानियों के आश्रितों को इसमें तीन वर्ष की छूट रहेगी। इसके अलावा इसके 33 प्रतिशत पद महिलाओं के लिए आरक्षित होंगे। निदेशक नरेश सेलपाड़ ने बताया कि चयनित प्राइमरी स्कूलों में नियुक्त संस्कार अध्यापकों को महज दो घंटे ही अपनी सेवाएं देनी होगी। जिसके एवज में उन्हें 9240 रुपये के आस-पास वेतनमान दिया जाएगा। यदि एक गांव में एक स्कूल है तो उनकी ड्यूटी उसी स्कूल में होगी। यदि गांव में दो प्राईमरी स्कूल हैं तो अलग-अलग दिनों या एक-एक घंटा दोनों स्कूलों में सेवाएं देनी होगी।

सिरसा। विद्यार्थियों को एक्सीलेंट अवार्ड से सम्मानित करते डा. कृष्ण

विद्यार्थी एक्सीलेंस अवार्ड इन केमिस्ट्री से सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चोपटा

खंड नाथूसरी चौपटा के पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रूपावास में केमिस्ट्री विषय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों को एक्सीलेंस अवॉर्ड इन केमिस्ट्री के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि यह पुरस्कार प्रवक्ता रसायन विज्ञान प्रवक्ता डॉ. कृष्ण ढाका अपनी ओर से 11वीं व 12वीं विज्ञान संकाय के उन विद्यार्थियों को देते हैं, जो स्कूल स्तर पर पूरे साल के दौरान आयोजित केमिस्ट्री टेस्ट सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करते है। प्रथम पुरस्कार के लिए 1 हजार रुपए व मोमेंटो तथा द्वितीय पुरस्कार के लिए 500 रुपए व तृतीय पुरस्कार के लिए 250 रुपए ईनाम के रूप में दिया जाता हैं। डॉ. कृष्ण ढाका ने बताया कि इस प्रकार की विषय आधारित टेस्ट सीरीज प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों में विषय के प्रति रुचि पैदा होती है तथा प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़ती है और विद्यार्थियों को वार्षिक परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने में भी मदद मिलती है। सत्र 2024-25 में इस पुरस्कार के विजेता कक्षा 11वीं साइंस में दीक्षा प्रथम, दिव्या द्वितीय तथा रीतिका तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा 12वीं साइंस में सचिन प्रथम, अक्षय द्वितीय तथा कल्पना तृतीय स्थान पर रहे। विद्यालय प्रधानाचार्य कमलजीत सिंह और गांव के भूतपूर्व सरपंच रामस्वरूप औलख ने विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किए। इस अवसर पर विद्यालय प्रवक्ता डॉ. धर्मवीर भाटिया, विशाल बागड़ी, प्रवीण मंडल, पंकज शर्मा, संतलाल वर्मा, कृष्ण सैनी, रवींद्र कुमार, पाली राम, वासुदेव, भूप सिंह ज्याणी, सतीश कुमार, योगिता चौधरी, अनिता रानी, शारदा रानी, अध्यापक बलवंत सिंह, विकास शर्मा, केहरसिंह, नीरज सुखीजा आदि रहे।

एसपी जनसंवाद कार्यक्रम के तहत ग्रामीणों से हुए रूबरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। ग्रामीणों से संवाद करते एसपी विक्रांत भूषण।

पुलिस व पब्लिक के और अधिक मधुर संबंध स्थापित करने तथा नशे व अपराधों पर और अधिक प्रभावी ढंग से अंकुश लगाने के लिए जिला पुलिस की ओर से एक अनूठी पहल शुरू की गई है। अब जिला पुलिस के अधिकारी पंचायतों तथा आमजन के साथ जनसंवाद स्थापित कर उनसे सहयोग प्राप्त कर नशे जैसी सामाजिक बुराई तथा अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस पब्लिक समन्वय बैठकों का आयोजन कर रही। इसी कड़ी के तहत वीरवार को पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण गांव सिकंदरपुर, वेदवाला तथा बाजेंका पहुंचे तथा ग्रामीणों के साथ जनसंवाद स्थापित कर उनसे सहयोग की अपील की ताकि समाज को पूरी तरह से नशा मुक्त एवं अपराध मुक्त किया जा सके। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि जिला पुलिस अपने स्तर पर नशे के खिलाफ लगातार अभियान चलाए हुए हैं जिसके तहत नशा तस्करों पर शिकंजा कसा जा रहा है तथा युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए खेल गतिविधियों के माध्यम से जागरूक भी किया जा रहा है।

यूथ फेस्टिवल में एसएस कॉलेज के विद्यार्थी छाए

हरिभूमि न्यूज. सिरसा

सिरसा। यूथ फेस्टिवल में धमाल मचाने वाले कॉलेज के विद्यार्थी।

शाह सतनाम जी बॉयज कॉलेज के विद्यार्थियों ने कल्चरल गतिविधियों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। 8 से 12 फरवरी तक हिसार की ओम स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी में आयोजित 38वें एआईयू इंटर यूनिवर्सिटी नॉर्थ वेस्ट जोन यूथ फेस्टिवल में महाविद्यालय के छात्रों ने चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय की टीम में भाग लेते हुए कला, संगीत, अभिनय सहित विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पुरस्कार जीते हैं। महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा किए गए शानदार प्रदर्शन की बदौलत सीडीएलयू की टीम ओवरऑल रनरअप रही है। महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा किए गए शानदार प्रदर्शन पर सीडीएलयू से डॉ. मंजू नेहरा, डॉ. राजेश छिकारा व कॉलेज के प्रिंसीपल डा. दिलावर सिंह सहित स्टाफ सदस्यों व कॉलेज प्रबंधन ने विद्यार्थियों को बधाई दी।

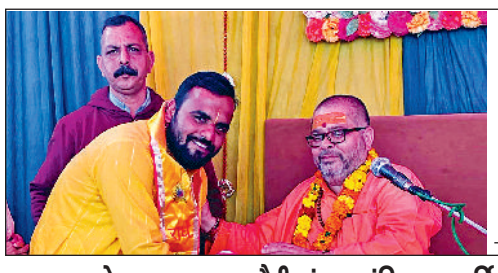

फतेहाबाद। कलाकार भारत टुटेजा को सम्मानित करते स्वामी उमानंद महाराज।

धूमधाम से मनाया गया गौरी शंकर मंदिर का वार्षिक उत्सव

फतेहाबाद। गौरी शंकर मंदिर का वार्षिक उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस उपलक्ष्य में तीन दिवसीय सत्संग का आयोजन किया गया, जिसमें हरिमंदिर फर्रूखनगर से स्वामी उमानंद महाराज विशेष तौर पर पहुंचे। स्वामी उमानंद महराज ने अपने प्रवचनों में बताया कि संसार से प्रेम करोगे तो सदा धोखा मिलेगा। भगवान से प्रेम करोगे तो सदा प्रेम मिलेगा। तीन दिवसीय सत्संग का आज विराम दिवस बड़ी धूमधाम से किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने होली का आनंद भी लिया। श्री गौरी शंकर मंदिर संचालक पंडित चंद्रशेखर मिश्रा ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर समाजसेवी साहिब दयाल वधवा, मनोज असीजा, भारत टुटेजा, काका चौधरी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में जहां 56 भोग का प्रसाद वितरित किया गया वहीं अंत में लंगर प्रसाद भी वितरित किया गया।

कृषि प्रणाली पर जिला स्तरीय किसान गोष्ठी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। जिला स्तरीय गोष्ठी में किसानों को सम्मानित करते अधिकारी।

रूट्स फाउंडेशन के द्वारा केकेबीएमएस सोसाइटी ऑफ चंबल फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल लिमिटेड की भूमि परियोजना चलाई जा रही है, इसके अंतर्गत वीरवार को गांव दहमन में फसल विविधिकरण और स्थाई कृषि प्रणाली पर जिला स्तरीय किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना, मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार करना और किसानों की आय में वृद्धि करना था। किसान गोष्ठी में ब्लॉक एग्रीकल्चर ऑफिसर डॉ. कृष्ण बुंदेला ने फसल विविधिकरण, अवशेष प्रबंधन और टिकाऊ कृषि प्रथाओं पर बहुमूल्य अनुभव साझा करते हुए किसानों को खेती संबंधी जानकारियां दी और सरकारी योजनाओं के बारे में डॉ. नीरज ने किसानों को जागरूक किया। किसान गोष्ठी में भूप सिंह ने धान की सीधी बिजाई करने वाले व बागबानी वाले किसानों को पौधे देकर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के 4 जिलों में भूमि परियोजना जींद, फतेहाबाद, हिसार और सोनीपत के 120 गांवों में काम कर रही है, जो खरीफ मौसम में पहले ही लगभग 36146 किसानों के साथ काम कर चुकी है, जिससे उन्हें इन-सीटू और एक्स-सीटू तरीकों के माध्यम से फसल अवशेषों का प्रबंधन करने में मदद मिली है।

रेडियो की ग्रामीण विकास में अहम भूमिका: सांगवान

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा विश्व रेडियो दिवस पर एक कार्यक्रम हुआ। इस कार्यक्रम मे रेडियो की पुरानी एंकर छिंद्रपाल कौर को बतौर विशिष्ट अतिथि बुलाया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कम्युनिटी रेडियो स्टेशन के निदेशक प्रो. सेवा सिंह बाजवा ने की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के विकास मे रेडियो की अहम भूमिका है। इस अवसर पर विभाग के प्राध्यापक डॉ. अमित सांगवान ने विश्व रेडियो दिवस की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला।

संत शिरोमणि गुरु रविदास महान समाजसेवी थे : दहिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। अहरवां में गुरू रविदास को बच्चों सहित श्रद्धासुमन अर्पित करते देवेन्द्र दहिया।

गांव अहरवां स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय में सामाजिक समरसता के महान संत शिरोमणि सतगुरु श्री रविदास जी के 648वें प्रकाशोत्सव की पूर्व बेला पर बच्चों एवं शिक्षकों ने विशेष श्रमदान के साथ स्वच्छता अभियान चलाकर विद्यालय के प्रांगण की साफ सफाई की। इसके बाद एक जन जागरण रैली निकाल कर लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ संत शिरोमणि सदगुरु श्री रविदास महाराज के चित्र के समक्ष ज्योति प्रज्वलित कर पुष्पांजली की गई। स्कूल मुखिया देवेंद्र सिंह दहिया ने संत रविदास के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि संत रविदास को संत रैदास के नाम से भी जाना है। उनका जन्म काशी के गोवर्धनपुर में पूर्णिमा के दिन हुआ था। बचपन से ही वे श्री कृष्ण भगवान और श्री राम की भक्ति करने लगे थे। उनकी गिनती भक्ति आंदोलन के प्रमुख संतों में होती है। उन्होंने अपनी त्याग,तपस्या, योग और साधना से जीवन भर अभ्यास किया और समाज में प्रचलित जाति पाति व्यवस्था, पाखंड पूजा, छुआछुत, ऊंच-नीच, असमानता के खिलाफ आवाज उठाई। उनकी कर्म साधना और धर्म-भावना के कारण समकालीन संत कबीर, गुरुनानक और बाबा फरीद केसमान गुरुग्रंथ साहिब वाणी में स्थान प्राप्त है। उन्होंने अपनी शिक्षाओं में कहा कि झूठ, कपट और आडम्बर का त्याग करो, दुनिया में सब जन समान है, कोई छोटा बड़ा और ऊंच नीच नहीं है। वे कहते थे मन चंगा तो कठोती में गंगा और जन्मजात मत पूछिए, का जात आरू पात ,रैदास पुत्र सब प्रभु के, कोई नहीं जात कुजात। इस अभियान में सतीश पंवार, पवन जलंधरा, सुभाष बिश्नोई, भारत गोयल, राजेंद्र सिंह, जॉर्डन आदि मौजूद।

राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं के अधिकारों के बारे में किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित सेमिनार को संबोधित करती एडवोकेट कमलेश कुमारी वशिष्ठ।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल के आदेशानुसार राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, फतेहाबाद में सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार की अध्यक्षता पैनल अधिवक्ता कमलेश कुमारी वशिष्ठ द्वारा की गई। उन्होंने छात्राओं को राष्ट्रीय महिला दिवस के बारे अवगत करवाते हुए बताया कि हर साल 13 फरवरी को राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन भारत की महिलाओं के सशक्तिकरण, उनके अधिकारों और समाज में उनके योगदान को समर्पित है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य महिलाओं की सामाजिक आर्थिक, राजनीतिक और शैक्षणिक उपलब्धियां को सराहना और उन्हें समानता तथा सम्मान दिलाने के लिए जागरुकता फैलाना है। यह दिन महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने और उन्हें सशक्त बनाने का संदेश देता है। यह दिन समाज में महिलाओं के सामने आने वाले चुनौतियों और असमानताओं को भी उजागर करता है। इस अवसर पर प्राचार्य कृष्ण कुमार, नीतू रानी, सुरेंद्र कुमार, अंजू रानी आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम बिजनेस कम्युनिकेशन और भाषाई निपुणता तथा मानसिक स्वास्थ्य पाठ्यक्रम का समापन

विद्यार्थियों को कार्यक्रम में व्यवसायिक संचार का दिया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। एमएम कॉलेज आफ एजुकेशन विद्यार्थियों को संबोधित करते वक्ता।

मनोहर मेमोरियल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, फतेहाबाद में आयोजित दो विशेष मूल्य वर्धित पाठ्यक्रमों का आज सफल समापन हुआ। ये पाठ्यक्रम छात्रों के शैक्षणिक, व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास को सशक्त बनाने के उद्देश्य से शुरू किए गए थे। पहला पाठ्यक्रम 'बिजनेस कम्युनिकेशन और भाषाई निपुणता', जो कि साहित्य विभाग द्वारा संचालित किया गया, छात्रों को प्रभावी व्यावसायिक संचार और भाषाई दक्षता में पारंगत बनाने पर केंद्रित था। 6 सप्ताह की अवधि में 30 घंटे के इस पाठ्यक्रम में व्यवसायिक संचार, उन्नत लेखन कौशल, व्याकरण एवं शब्दावली और साहित्यिक अभिव्यक्ति जैसे प्रमुख विषयों पर गहन प्रशिक्षण दिया गया। छात्रों को रिपोर्ट लेखन, व्यावसायिक पत्राचार, मौखिक प्रस्तुति, विज्ञापन लेखन, और रचनात्मक लेखन जैसी व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से व्यावसायिक दुनिया के लिए तैयार किया गया। इसी के साथ, खेल एवं योगा क्लब द्वारा संचालित 'मानसिक स्वास्थ्य' पर आधारित दूसरा पाठ्यक्रम भी संपन्न हुआ, जिसका उद्देश्य छात्रों को मानसिक संतुलन बनाए रखने, तनाव प्रबंधन, आत्म-जागरूकता और सकारात्मक मानसिकता विकसित करने के लिए प्रेरित करना था। इस पाठ्यक्रम में माइंडफुलनेस, स्ट्रेस मैनेजमेंट तकनीक, योग और ध्यान, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाने के तरीके शामिल थे। छात्रों ने समूह चर्चाओं, ध्यान अभ्यास, केस स्टडीज और परामर्श सत्रों के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के व्यावहारिक उपायों पर काम किया। समापन समारोह में प्राचार्या डॉ. जनक रानी ने दोनों पाठ्यक्रमों की सराहना करते हुए छात्रों को आत्मनिर्भर और व्यावसायिक रूप से सक्षम बनने के लिए इन कौशलों को अपने जीवन में उतारने का आग्रह किया। पाठ्यक्रम प्रभारी रेखा ने बिजनेस कम्युनिकेशन के महत्व को रेखांकित किया, जबकि खेल एवं योगा क्लब प्रभारी पुनीत ने मानसिक स्वास्थ्य की अनिवार्यता पर बल दिया। दोनों पाठ्यक्रमों ने छात्रों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और उन्हें आत्मविश्वास, व्यावसायिक दक्षता और मानसिक सुदृढ़ता प्रदान की।

चेयरमैन वेद फुलां के निवास पर पहुंचे ओएसडी विरेन्द्र सिंह का स्वागत

फतेहाबाद। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के ऑफिसर ऑन स्पैशल ड्यूटी यानि ओएसडी विरेन्द्र सिंह बडख़ालसा वीरवार सुबह रतिया विधानसभा के गांव फुलां में पहुंचे। वह हरकोफैड के चेयरमैन वेद फुलां निवास पर पहुंचे और कार्यकर्ताओं की मीटिंग ली। इस मौके पर कहा कि भाजपा सबका साथ-सबका विकास की नीति पर चलकर प्रदेश में समान रूप से विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। सीएम नायब सिंह सैनी की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा की जनहितैषी नीतियों का ही परिणाम हैं कि दिल्ली में पार्टी को लोगों का प्रचंड समर्थन मिला है।

खबर संक्षेप

चौपाल से चोरी के आरोप में एक युवक गिरफ्तार

नारनौंद। थाना नारनौंद पुलिस ने गांव हैबतपुर चौपाल में से सामान चोरी के आरोपित प्रदीप निवासी हैबतपुर को गिरफ्तार किया है। उसने 10 फरवरी की रात को गांव हैबतपुर चौपाल में से पानी की मोटर, एक कैंटर की बैटरी, एक लोहे का जैक व अन्य सामान चोरी कर लिया था। थाना नारनौंद पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए आरोपित प्रदीप को गिरफ्तार किया।

पुलिस अधीक्षक ने किया गांव पेटवाड़ का दौरा

नारनौंद। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने ग्रामीण भ्रमण के दौरान पुलिस पब्लिक संवाद कार्यक्रम के तहत गांव पेटवाड़ का दौरा किया। ग्रामीणों की शिकायतें भी सुनी। पुलिस अधीक्षक ने ग्राम वासियों का अभिनंदन कर गांव के सरपंच प्रतिनिधि सतबीर सिंह से गांव के बारे में जानकारी ली। उन्होंने गांव के लोगो से मुलाकात कर, गांव के नागरिकों की सुरक्षा व पुलिस से संबंधित समस्याओं के बारे में पूछा व उसके तवरित समाधान का आश्वासन देते हुए कहा कि आपकी जो भी समस्याएं है उन्हें बताएं।

कुंभाः शिविर 80 लोगों ने किया रक्तदान

हांसी। निकटवर्ती गांव कुंभा में बृहस्पतिवार को बाबा कैलाशपुरी बिलासपुरी समाज मंदिर में रक्तदान शिविर नशा मुक्ति चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। शिविर में काफी संख्या में ग्रामीण युवाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। रक्तदान शिविर में ब्लड बैंक अग्रोहा से डॉ रिचा और चिकित्सक डॉ अर्जुन गोयत, डॉ मोहित मलिक ने अपनी सेवाएं दी। उस दौरान रोगियों का मुफ्त इलाज भी किया गया।

डीएन कॉलेल में अल्बेंडाजोल वितरण

हिसार। दयानंद महाविद्यालय में रेड रिबन क्लब द्वारा नेशनल डिवार्मिंग डे के तत्वाधान में महाविद्यालय के विद्यार्थियों को अल्बेंडाजोल की दवाई वितरित की गई। रेड रिबन क्लब की प्रभारी डॉ. अर्चना मलिक की देखरेख में हुआ। प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने गुरुवार को इस कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि नेशनल डिवार्मिंग डे हमारे विद्यार्थियों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। प्रभारी डॉ. अर्चना मलिक ने पूरे कॉलेज में विद्यार्थियों को दवाइयो का वितरण करवाया।

चौथे दिन पेंटिंग व भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित

हिसार। आरोही मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल अग्रोहा में चल रहे जिला स्तरीय जूनियर रेडक्रॉस प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन पेंटिंग व भाषण प्रतियोगिताएं हुई। शिविर में जिले के 22 विद्यालयों से करीब 110 काउंसलर भाग ले रहे है। अस्पताल के साइकोलॉजिस्ट शालू बूरा ने कहा कि पेंटिंग प्रतियोगिता में छात्रों ने अपने चित्रों के माध्यम से नशे के दुष्प्रभाव के बारे में बताया।

श्याम मंदिर में फागुन अखंड ज्योत प्रज्जवलित

हिसार। श्री श्याम मंदिर सेक्टर 16-17 मे फागुन मास के प्रथम दिन गुरुवार सुदी एकम को श्री श्याम जी की अखंड ज्योत प्रज्जवलित की गई । पूर्ण विधि-विधान एवं पूजा-अर्चना के साथ श्री श्याम के चरणों में निमंत्रण- पत्रिका अर्पित कर मेले का निमंत्रण दिया।

आज नप की विशेष बैठक, पेश होगा 2025-26 का बजट

हांसी नप की एक साल बाद होने वाली बैठक में हंगामे के आसार

चेयरमैन प्रवीण ऐलावादी ने सभी पार्षदों को पत्र लिखकर दिया निमंत्रण

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

नगर परिषद की एक विशेष बैठक शुक्रवार सुबह 11 बजे नगर परिषद के मीटिंग हाल में नगर परिषद चेयरमैन प्रवीण ऐलावादी के अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी। मीटिंग के लिए नगर परिषद चेयरमैन प्रवीण ऐलावादी द्वारा सभी पार्षदों को पत्र जारी कर मीटिंग में भाग लेने का आग्रह किया है। मीटिंग में वित्त वर्ष के सत्र 2025-26 का बजट पेश किया जाएगा और पार्षदों से इस पर सहमति मांगी जाएगी। नगर परिषद में पार्षदों की बैठक करीब 1 वर्ष के बाद हो रही है। एक वर्ष से परिषद की हाउस बैठक नहीं हुई है। ऐसे में स्वाभाविक है कि बैठक हंगामेदार रहेगी। क्योंकि पार्षद कई दिनों के बाद औपचारिक रूप से एक साथ होंगे व उन्हें अपनी मांग रखने का मंच मिलेगा।

2025-26 के लिए 641.09 लाख का प्रस्तावित बजट

बैठक से पहले नगर परिषद ने पार्षदों को अपनी आय व व्यय का ब्योरा भेजा गया है। बैठक के एजेंडे के अनुसार सत्र 2025-26 के लिए प्रस्तावित बजट 641.09 लाख रुपये है। नगर परिषद द्वारा इस वर्ष अपने बजट में इस साल 4930.5 लाख रुपए की इनकम करना प्रस्तावित किया है। जबकि पिछले वर्ष यह 5642.50 लाख रुपए था। मीटिंग के लिए हिसार लोकसभा सांसद जयप्रकाश व विधायक विनोद भ्याना को भी न्योता भेजा गया है।

पिछले वर्ष संपत्ति कर जमा करवाने में फिसड्डी

नगर परिषद बीते साल में संपत्ति कर जमा करवाने के मामले में फिसड्डी रही। नगर परिषद को संपत्ति कर से साढ़े 3 करोड़ रुपये की कमाई होने का अनुमान था। लेकिन नगर परिषद एक करोड़ रुपये ही कर जमा करवा पाई। वहीं स्टांप ड्यूटी और बिजली बिलों पर लगने वाले म्युनिसिपल टैक्स से 20 करोड़ रुपये की आय का अनुमान था। इससे भी नगर परिषद को कुछ भी आय नहीं हुई। जबकि आमजन जमीन खरीदने-बेचने में स्टांप ड्यूटी व बिजली बिल भरने में म्युनिसिपल टैक्स भर रहा है। एक वर्ष में नगर परिषद ने सफाई के लिए टिप्परों की मरम्मत पर 21 लाख रुपये खर्च किए है। वाहनों में 37 लाख रुपये का तेल डलवाया गया है।

कचरा एकत्रित करने से 75 लाख की जगह 8.2 लाख रुपये की आय हुई

डोर टू डोर कचरा कलेक्शन के सुविधा शुल्क से 75 लाख रुपये की आय होनी थी। लेकिन मात्र 8.2 लाख रुपये की आय हुई। पेयजल व सीवरेज लाइन डालने के लिए तोड़ी जाने वाली गलियों पर परिषद रोड कट चार्ज लेती है। इससे 15 लाख रुपये की आय होनी थी। लेकिन यह आय नहीं हुई। विभिन्न ग्रांट के 10 करोड़ रुपये आए हैं।

वाहनों के तेल पर 37 लाख रुपये खर्चे

नगर परिषद ने वाहनों में तेल भरवाने के लिए 37 लाख रुपये खर्च किए है। वर्ष 2025-26 में 50 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है। अतिक्रमण हटवाने के लिए नगर परिषद के 78 हजार रुपये खर्च हुए। वहीं चुनावों में साढ़े 7 लाख रुपये खर्च हुए। विकास कार्यों पर विभिन्न ग्रांट के तहत 15 करोड़ रुपये खर्च हुए। इसके अलावा पार्कों के रखरखाव पर 38.54 लाख रुपये, वाहनों की मरम्मत पर 3.90 लाख रुपये, गलियों व रोड की मरम्मत के लिए 35 लाख रुपये, गलियां बनाने के लिए 66.50 लाख रुपये, कचरा उठान के लिए लगाए गए 27 टिप्परों व 2 ट्रैक्टर ट्रॉलियों पर 21 लाख रुपये व सफाई के लिए 45.34 लाख रुपये खर्च हुए।

बैठक बुलाई

बजट की बैठक बुलाई गई है। बैठक में बजट का लेखा जोखा पेश किया जाएगा।
-डॉ. सुरेश चौहान, कार्यकारी अधिकारी, नगर परिषद, हांसी।

डीपीएस की टीम रही प्रथम

- स्कूल के 50 विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में लिया था भाग

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। फेस्टिवल ऑफ साइंस में डीपीएस की विजेता टीम। *फोटो: हरिभूमि*

हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी, सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इन इंडिया और गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा फेस्टिवल ऑफ साइंस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डीपीएस के 50 छात्रों ने साइंस एग्जीबिशन, टेलिस्कोप मेकिंग, राकेट मेकिंग, साइंस क्विज आदि एक्टिविटीज में भाग लिया। स्कूल प्रवक्ता एवं साइंस विभागाध्यक्ष डॉ. विकास शर्मा ने बताया कि साइंस क्विज प्रतियोगिता में विज्ञान संकाय के ग्यारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों कृष्णा, गरिमा व जानवी ने अपनी सूझबूझ व बौद्धिक क्षमता का परिचय देते हुए प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। मुख्यातिथि हकृवि के वीसी डॉ. बीआर काम्बोज, गुजवि के कुलपति डॉ. नरसीराम बिश्नोई और एसपीएसआईटी के अध्यक्ष धर्मबीर सिंह ने विजेता विद्यार्थियों को प्रशंसा पत्र व नकद पुरुस्कार राशि देकर सम्मानित किया। इससे पहले भी दिल्ली पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी विभिन्न राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित साइंस प्रतियोगिताओं में जीत हासिल कर चुके हैं।

किसान के बेटे विपुल ने जेईई में हासिल किया 99.69 परसेंटाइल

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

विपुल लांबा।

- बेटे की पढ़ाई के लिए खेती बाड़ी छोड़ कोटा कोचिंग में रहकर पढ़ाई में की मदद

जेईई का परिणाम की देश भर के छात्रों की बड़ी उत्सुकता रहती है, दो दिन पहले आए जेईई के परिणाम ने गांव और किसान के बच्चों ने सफलता के झंडे गाड़ कर अपने देश और गांव का नाम ऊंचा किया हैं। एक साधारण परिवार में पल्ले विपुल लाम्बा ने जेईई में 99.69 परसेंटाइल हासिल कर परिवार व गांव का सम्मान बढ़ाया है। विपुल का यह उपलब्धि और भी विशेष है क्योंकि वह जिले के एक छोटे से गांव कालवास से ताल्लुक रखते हैं। विपुल की पढ़ाई गांव में रहकर की है। दसवीं तक कोई कोचिंग नहीं ली। पिता विनोद लाम्बा और मां बिमला देवी ने अपने बेटे की पढ़ाई के लिए अपनी खेती बाड़ी छोड़ दी।

एफसी कॉलेज की छात्राएं ने देखी भूल भूलैया

हिसार। फतेहचन्द महिला महाविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग की ओर से छात्राओं को भूल भूलैया नामक फिल्म दिखाई गई। यह फिल्म मनोविज्ञान के मनोविकार पर आधारित है। यह फिल्म दिखाने का उद्देश्य छात्राओं में मनोरंजन के साथ-साथ मनोविकारों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था। फिल्म के अंत में प्राचार्या डॉ. अनीता सहरावत ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि जीवन बहुत अनमोल है और किसी भी प्रकार की समस्या आने पर हमें उसे अपने परिवारजनों तथा अध्यापकों के साथ सांझा करनी चाहिए।

तालमेल से मजबूत करें स्वास्थ्य सेवाएं

- स्वास्थ्य कल्याण समिति की बैठक में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने पर मंथन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। स्वास्थ्य कल्याण समिति की मीटिंग में भाग लेते अधिकारी और कर्मचारी।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीसवाल के अंतर्गत विभिन्न स्तर के स्वास्थ्य केंद्रों पर स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण,विस्तार और मूलभूत सुविधाओं को दुरस्त करने को लेकर स्वास्थ्य कल्याण समिति की सीसवाल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के कार्यालय में मीटिंग आयोजित की गई। मीटिंग की अध्यक्षता स्वास्थ्य कल्याण समिति के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. नागेश महर्षि ने की। मीटिंग में विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों और पंचायती राज के निर्वाचित सदस्यों ने भाग लिया। मीटिंग में ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक, प्राथमिक और उप-स्वास्थ्य केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं के अभाव जैसे स्वच्छ पेयजल,बिजली, महिलाओं और बच्चों के लिए बैठने की व्यवस्था के लिए बैंच, पीने के पानी के लिए वॉटर कूलर और सफाई कार्यों के लिए कर्मचारियों की व्यवस्था करने को लेकर मंथन किया। दूसरे कार्यों के लिए अंतर्विभागीय सहयोग करने पर चर्चा की। डॉ. नागेश महर्षि ने बताया कि अपने अधीन कार्यक्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना उनकी प्राथमिकता में है। इस मौके पर नायब तहसीलदार अजय कुमार, सीसवाल के सरपंच प्रतिनिधि बलवंत जौहर, बीडीसी मेंबर शुभम, पब्लिक हैल्थ के जेई अशोक बेनीवाल मौजूद रहे।

यूथ प्रशिक्षण शिविर में गुजवि को 6 पदक

- कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने दी टीम को बधाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। रेडक्रॉस टीम के स्वयंसेवकों को बधाई देते कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई। *फोटो: हरिभूमि*

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की रेडक्रॉस टीम ने राज्य स्तरीय यूथ रेडक्रॉस प्रशिक्षण शिविर में शानदार प्रदर्शन किया है। यह शिविर भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी हरियाणा राज्य शाखा चंडीगढ़ द्वारा उत्तराखंड के हरिद्वार में आयोजित किया गया। रेडक्रॉस स्वयंसेवकों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में रिकॉर्ड छह मेडल जीते हैं। विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों का दल गुरुवार को विश्वविद्यालय के वीसी प्रो. नरसी राम बिश्नोई से मिला। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने विश्वविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस टीम को बधाई देते हुए लगातार हो रही यूथ रेडक्रॉस गतिविधियों की सराहना की। कुलपति ने स्वयंसेवकों को कहा कि रेडक्रॉस एक ऐसी संस्था है जो मानव कल्याण के लिए कार्य करती है। विश्वविद्यालय के यूथ रेडक्रॉस प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर डॉ. महावीर प्रसाद ने बताया कि विश्वविद्यालय की टीम ने राज्य स्तरीय प्रशिक्षण शिविर में छह मेडल जीतकर रिकॉर्ड बनाया है। स्वयंसेवक रितु, अदिती, मुस्कान, नैंसी व दीक्षा ने प्रशिक्षण शिविर में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान, ग्रुप डांस व स्किट प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान, बेस्ट कोआर्डिनेशन टीम ट्रॉफी एवं ओवरऑल प्रदर्शन में कॉन्सोलेशन ट्रॉफी पर कब्जा किया। इस प्रशिक्षण शिविर में हरियाणा के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों की 35 टीमों से 209 छात्राओं व 31 महिला काउंसलर्स ने भाग लिया।

ये रहे मौजूद

हरियाणा शाखा के जनरल सेक्रेटरी डॉ. मुकेश अग्रवाल एवं कैंप कमांडर रोहित शर्मा ने रिसोर्स पर्सन सुरेंद्र श्योराण फील्ड कोऑर्डिनेटर गुजविप्रौवि को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर तकनीकी सलाहकार प्रो संदीप राणा, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो योगेश चाबा व डीन ऑफ कॉलेजिज प्रो. संजीव कुमार उपस्थित रहे।

यदुवंशी शिक्षा निकेतन के 12 विद्यार्थियों ने जेईई मेन्स सेशन -1 में मारी बाजी

हांसी। जेईई मेन्स सेशन-1 में यदुवंशी शिक्षा निकेतन के छात्र विनित ने 97.69 प्रतिशत, एंजल ने 97.54 प्रतिशत, तृप्ति ने 95.99 प्रतिशत, विवेक ने 93.37 प्रतिशत, रिया ने 90.41 प्रतिशत, कुसुम ने 89.07 प्रतिशत, नेहा ने 86.51 प्रतिशत, नताशा ने 85.96 प्रतिशत, मुस्कान ने 85.26 प्रतिशत, गोविंद ने 84.65 प्रतिशत, समीक्षा ने 78.41 प्रतिशत और पंकज ने 76.78 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय व अपने क्षेत्र का नाम रोशन किया। यदुवंशी ग्रुप आफ इंस्टिट्यूशंस के संस्थापक एवं चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने हमेशा ही विद्यार्थियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने इन सफलता प्राप्त विद्यार्थियों को बधाई देते हुए इनके उज्जवल भविष्य की कामना की और भविष्य में भी इस तरह के प्रदर्शन को दोहराते रहने का आशीर्वाद दिया। स्कूल प्राचार्य सुनील कुमार ने भी विद्यार्थियों के इस शानदार प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए इनके अध्यापकों व अभिभावकों का आभार प्रकट किया।

बेहतर फसल बीज गुणवत्ता से ही संभव

- एचएयू ने बीज उत्पादन एवं परीक्षण पर किया प्रशिक्षण कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। किसानों को प्रशिक्षण संबंधी जानकारी देते वैज्ञानिक। *फोटो: हरिभूमि*

किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कृषि क्षेत्र के साथ-साथ विभिन्न विषयों से संबंधित दिए जा रहे प्रशिक्षणों की कड़ी में विश्वविद्यालय के बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से सोनीपत जिले के गांव अहुलाना में गुणवत्ता युक्त बीज उत्पादन एवं परीक्षण विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग तथा कृषि विज्ञान केन्द्र सोनीपत के वैज्ञानिकों ने किसानों को प्रशिक्षण दिया। विभागाध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र सिंह मोर ने गुरुवार को किसानों को बताया कि बेहतर फसल उत्पादन के लिए उच्च गुणवत्ता युक्त बीज का उपयोग करना बहुत जरूरी है। किसान उच्च क्वालिटी के बीज का प्रयोग करके ही अच्छा उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। डॉ. अक्षय भुकर ने किसानों को बीज उत्पादन के दौरान अनुवांशिक शुद्धता बनाए रखने के उपायों के बारे में जानकारी दी। डॉ. देवेंद्र सिंह ने बीज उत्पादन के सिद्धांतों पर विस्तृत व्याख्या दिया। डॉ. जोगिंदर तोमर ने समूह आधारित दृष्टिकोण को अपना कर बीज उत्पादन को बढ़ावा देने पर जोर दिया। डॉ. कुलदीप ने बीज उत्पादन में मशीनीकरण की भूमिका पर प्रकाश डाला और आधुनिक तकनीकों से किसानों को अवगत भी कराया। उप मंडल कृषि अधिकारी डॉ. राजेंद्र मेहरा एवं सहायक पौध संरक्षण अधिकारी कृषि विभाग गोहाना डॉ. रघुवेंद्र सिंह जून ने किसानों को कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

जैन गर्ल्स स्कूल में विदाई समारोह का आयोजन

हिसार। जैन गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कक्षा 12वीं की छात्राओं के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। स्कूल की 11वीं कक्षा की छात्राओं द्वारा 12वीं कक्षा की छात्राओं को विदाई पार्टी दी गई। स्कूल की प्रधानाचार्या तथा सभी अध्यापिकाओं द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद 11वीं की छात्राओं द्वारा 12वीं की छात्राओं का तिलक लगाकर स्वागत किया गया तथा 11वीं की छात्राओं द्वारा 12वीं की सभी छात्राओं को परंपरा के अनुसार टाइटल दिए गए।

एचएयू ने शाहपुर गांव में लगाया एनएसएस शिविर

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय ने गांव शाहपुर में सात दिवसीय एनएसएस शिविर आयोजित किया गया। शुभारंभ कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने किया। डॉ. एसके पाहुजा ने गुरुवार को बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य युवा सशक्तिकरण, सामाजिक जागरूक किया।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत राजपुरा में उप-स्वास्थ्य केंद्र के कंडम भवन की खुली नीलामी दिनांक 18-02-2025 को प्रातः 11 बने मौका स्थल पर करवाई जाएगी। इसकी जमानत राशि 10,000/- रू होगी। बाकी शर्तें मौके पर बताई जाएंगी। इच्छुक बोली दाता बोली में भाग ले सकता है।

ग्राम सचिव — सरपंच
ग्राम पंचायत — सरपंच ग्राम पंचायत राजपुरा
राजपुरा — मोबाइल -9812415751

हरियाणा पुलिस के सिपाही ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

नारनौंद। हरियाणा पुलिस में तैनात एक सिपाही फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस ने इतफाकिया कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया। मिर्चपुर निवासी चचेरा भाई सुरेंद्र ने नारनौंद पुलिस को बताया कि जींद में बिजली के सामान की दुकान है। मेरा चचेरा भाई 37 वर्षीय सोहन लाल स्टेट क्राइम जींद में तैनात था। 12 फरवरी को वह जींद में अपनी ड्यूटी खत्म करके गांव मिर्चपुर आया था। पिछले कुछ दिनों से सोहनलाल मानसिक रूप से परेशान था। लेकिन हमें उसकी क्या परेशानी थी उसने किसी को बताया नहीं। वीरवार को सुबह करीब 6 बजे सोहन लाल घर ने स्नान किया और फिर अपनी गाड़ी लेकर खेत में चला गया था। जहां उसने खेत में बने कमरे के आगे बिजली के पोल पर रस्सी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली और अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9653530207, 8814999173, 9253681005

विवि के पेटेंट सेल के सौजन्य से आईपीआर जागरूकता कार्यक्रम

बौद्धिक सम्पदा सुरक्षा में ही विकास संभव

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। कार्यशाला का शुभारंभ करते कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई।

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा है कि वर्तमान समय में दुनिया लगातार बदल रही है। शोध और तकनीक तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे में बौद्धिक संपदा की सुरक्षा वैज्ञानिकों और आर्थिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। भारत शोध व नवाचार के क्षेत्र में ग्लोबल लीडर बनने की ओर अग्रसर है। देश में समृद्ध नवाचार तंत्र तेजी से मजबूत हो रहा है। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई गुरुवार को विश्वविद्यालय के पेटेंट सेल के सौजन्य से 'बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) जागरूकता-मसौदा तैयार करना और दाखिल करना' विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में इस कार्यशाला का आयोजन हरियाणा सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी निदेशालय के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् पेटेंट सूचना केंद्र के सहयोग से किया जा रहा है। हरियाणा राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, पंचकूला के वैज्ञानिक डॉ. राहुल तनेजा कार्यशाला के मुख्य वक्ता थे।

सुधर रही जीआईआई रैंकिंग

कुलपति प्रो. बिश्नोई ने बताया कि भारत की ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स रैंकिंग में लगातार सुधार हो रहा है। 2020 में मिले 48वें स्थान से बढ़कर 2024 में 39वें स्थान पर पहुंच गया है। पिछले लगभग एक दशक में भारत में पेटेंट संख्या भी लगभग 17 गुणा बढ़ी है तथा पांच साल में विवि के 82 पेटेंट प्रकाशित किए जा चुके हैं।

20 वर्ष तक तकनीक का पेटेंट

डॉ. राहुल तनेजा ने पेटेंट प्रक्रिया के बारे में बताया कि पहले पेटेंट मिलने में सालों लग जाते थे जबकि अब सही प्रक्रिया अपनायी जाए तो कुछ ही महीनों में पेटेंट मिल जाता है। किसी भी तकनीक का पेटेंट 20 वर्ष तक ही होता है।

स्थापित - 1936 सर्वेसन्तु निरामया :
डॉ. बनारसी दास शर्मा हस्पताल

मोहल्ला सैनियान, हिसार
मो. 98960-04939
डॉ. साकेत शर्मा, आयुर्वेदाचार्य
3 पीढ़ीयों से आपकी सेवा में
आयुर्वेद चिकित्सा-श्रेष्ठ चिकित्सा
चर्म रोग
सोरायसिस, एग्जीमा, सफेद दाग
Fungal, Acne, बालों का झड़ना, Alcpocia, Urticaria आदि सभी प्रकार के चर्म रोगों के विशुद्ध आयुर्वेदिक उपचार के लिए सम्पर्क करें।